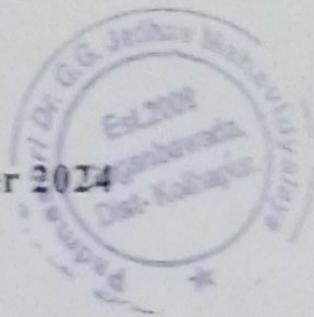


Date- 8th October 2024



Notice

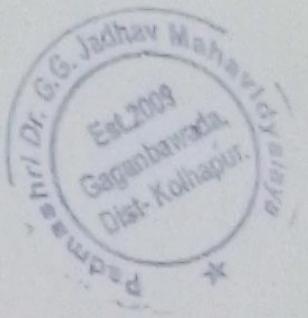
All students, teaching and non-teaching faculties of the college are hereby informed that, the "The Wildlife Week Conclusion Programme (Poster Presentation)" is organized in and around the college campus by the Department of Botany in association with Department of Zoology on 9th October 2024 at 10.30 am. be remain present and participate in the activity.

Principal

Principal

Padmashri Dr. G.G. Jagannath Mahavidyalaya
Gangabeswara, Dist. Kalaburagi

Padmashri Dr. G. G. Jadhav Mahavidyalaya, Gaganbawada
WILDLIFE WEEK CONCLUSION PROGRAMME
(POSTER PRESENTATION)



Organized by

Department of Botany and Zoology

Day- 9th October 2024

Time- 10.30 am onwards

Place- In college campus

Inauguration by the Auspicious Hands of

Dr. T. M. Patil

Principal, Padmashri, Dr. G. G. Jadhav Mahavidyalaya, Gaganbawada

Organized By

Dr. S. S. Bhosale

Head, Department of Botany

Prof. R. S. Kamble

Head, Department of Zoology

Padmashri Dr. G. G. Jadhav Mahavidyalaya, Gaganbawada

Department of Botany

Academic Year 2024-25



Name of Activity: Wildlife Week Conclusion Programme
(POSTER PRESENTATION)

Day and Time: 9th October 2024, 10.30 am.

Target Group: 45 students of B. Sc. Part I, II and III, 20 Faculties & 07 Non-teaching staff and some local citizens.

Name of organizer: Department of Botany and Zoology

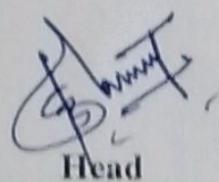
Detailed Report (in brief):

As per the guidelines of central government "Wildlife Week" is celebrated at national level during 2nd October to 8th October. The objective of this celebration is preservation, protection and conservation of wildlife of Indian Subcontinent. On this occasion the poster presentation programme was organized on 9th October 2024 in the campus of Padmashri Dr. G. G. Jadhav Mahavidyalaya, Gaganbawada by Department of Botany and Zoology. Detail information about wildlife and their conservation was displayed. The posters were inaugurated by the auspicious hands of Principal of the college Dr. T. M. Patil, Vice-Principal Dr. S. S. Panari and N. S. S. Programme Officer Prof. A. S. Kamble. The posters were described by Dr. S. S. Bhosale Head, Department of Botany.

Course Outcome (COs) covered:

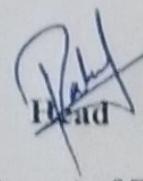
- Students, Teaching and Non-teaching faculties became aware about the wildlife and their conservation.

Name of the convener/s: Dr. S. S. Bhosale and Prof. R. S. Kamble



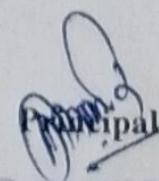
Head

Department of Botany



Head

Department of Zoology

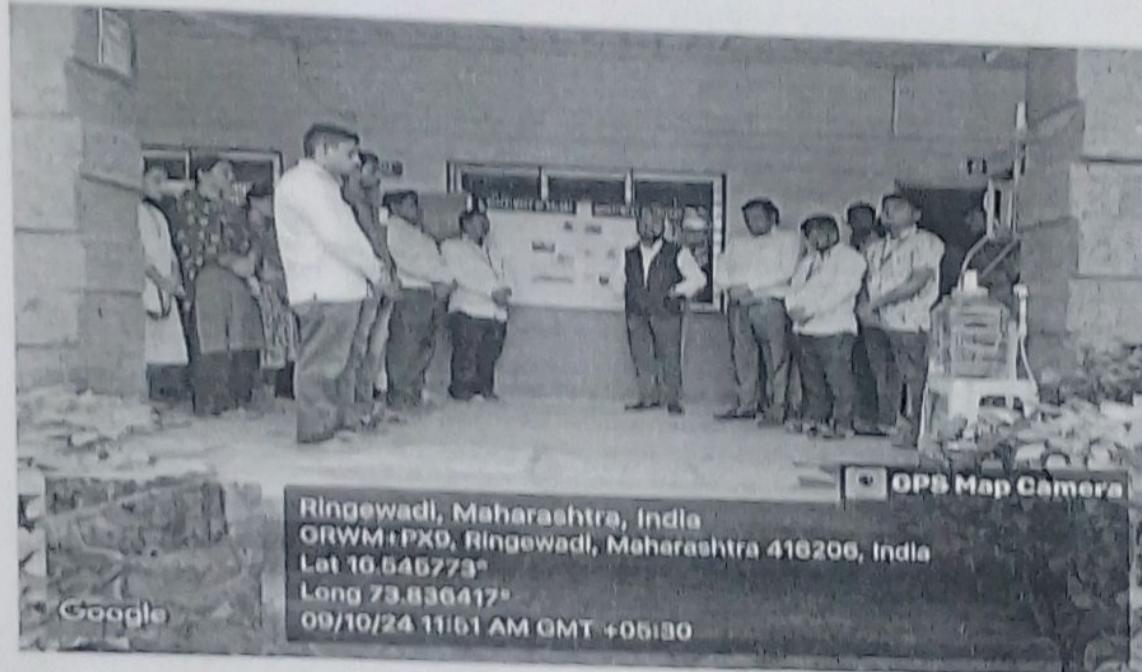
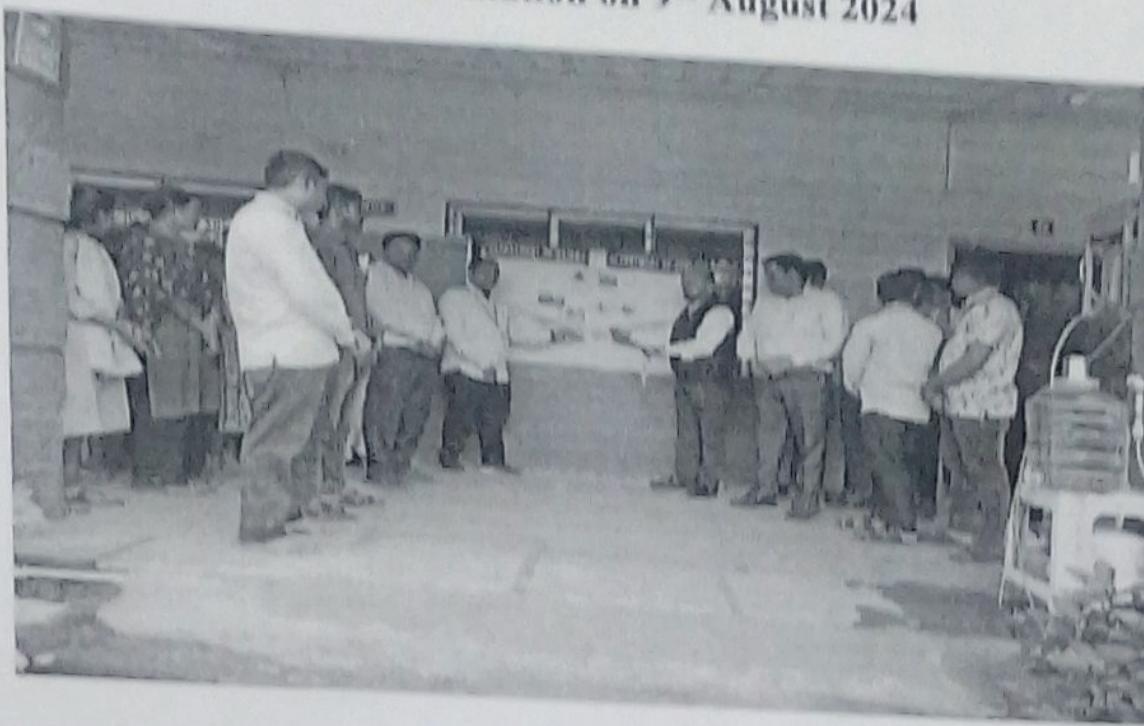


Principal

Principal

Padmashri Dr. G.G. Jadhav Mahavidyalaya
Gaganbawada, Dist. Kolhapur

Poster Presentation on 9th August 2024

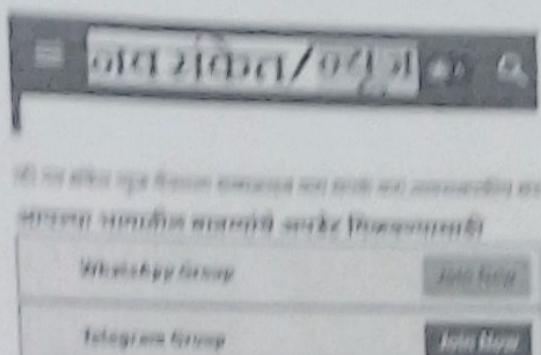


A handwritten signature in black ink, appearing to be the name of the principal.

Principal

Padmeshri Dr. G.G. Janjirav Mahavidyalaya
Gaganbawada, Dist. Kolhapur

News in News Papers and News Web Portal



गगनवावडा महाविद्यालयात
“दृष्टीव साक्षात्” उत्साहात साजरा

"*प्राचीन विद्या विभाग*"
के नाम से



[View Details](#)

Figure 10.10: First class



ଅନ୍ତରେ ଶିଖିଥିଲୁ ପ୍ରମାଣକ ମେଳକ ହେବାରେ ତାଙ୍କ ବାବୀ
ଦୁଇଟିମଧ୍ୟ ଯାଦିବିହି ହେଲା ଏବଂ ତାଙ୍କ ମହାପରିଚୟକାରୀ,
ଗୁଣବନ୍ଦରା ଦେଖି କୁଟୁମ୍ବା ହିଁ ଏବଂ ଅନ୍ତରେ କଷ୍ଟକ
ତାଙ୍କ ବାବୀରେତେବେଳ ଅର୍ଥିତ ପ୍ରମାଣକାରୀ ବିଜ୍ଞାନିକର
ଦେଖି ଶିଖିଥିଲୁ “ବାବୀରେ କାଳାକୁଟା କାଳାକୁଟା”
କାଳାକୁଟାରୀଣ୍ଠା ବିଭିନ୍ନରେ ବିଭିନ୍ନରେବେଳ କାଳାକୁଟାରୀ
କାଳାକୁଟା ଆଣେ ବିଭିନ୍ନରେ ବିଭିନ୍ନରେ କାଳାକୁଟାରୀ
କାଳାକୁଟା ଆଣେ ବିଭିନ୍ନରେ ବିଭିନ୍ନରେ କାଳାକୁଟାରୀ

स्वामी अविन प्राणार्थिकात जनन्यतीकारक
विनाशग्रन्थ द्वा० संतोष भौतिक गोदी
निर्विपरकविषयी नहिंहो देखना “गमनवाहन अविन
परिधन चाराकाल दुर्दिन यन्मात्री अविन प्राणार्थे
संख्युग अविन लंबवर्त करने कामद्वयी नजर लाई” असे
सत माझले, अल्पद्वया सामर्द्धेनकाल प्राणार्थ दी, दी,
दी, आदिल रुक्मिणी की, “मात्रकी दीवायप्रभासे
विनाशील दूरा संस्तोषी भूत्यापे लाई, अविन उत्तम
करुणार्थाकी भाषण वारितदृ॒ असल याहुहै”.

ना द्वारा करायेक्कमात्र संवृत्ये संस्कारक ब्रह्मतु पा,
सींगा द्वारा जटिल संस्का संवृत्य हो, बिंबा द्वारा चाहि
प्राप्तिकारक लाभले, कार्यक्रमाये आचार पा, एवं, ए,
नाशिनि संस्का वाही अका केले,


Principal
Padmashri Dr. G.G. Jarbav Mahavidyalaya
Ganeshkhanda, Dist. Kolhapur

गगनबाबायडा महाविद्यालयात वन्यजीव संसाह उत्साहात साजरा

मुख्य प्रतिनिधि

आनंद शिष्य प्रसारक मंड़ब
करते तक छोड़ संवित परमी
हृ. व. तो जाप नहींदात्य,
गणदायदा देहे दुष्कर रि
०१ ऑक्टोबर २०२४ लोक
इनस्पीटाइल डायी इनस्पीटाइल
दिभांगा हंयुल दिवानने
वचारद सज्जाहाया सज्जाहेप
कार्डक भावा निविताने
शिलोपकारे सज्जीकरण
करन्दात इने शिलोपकारे
दृढ़दृष्टि ग. हृ. है. ए. शटील
दोष हमने द्वात् न्याय त्रायि
इनस्पीटाइल इनस्पीटाइल
दिभांगुद हृ. सोन नोने
यानी शिलोपकारिष्ठी मारीहै
देतान 'गणदायदा तानी दीन
घाटीत दुर्मिल इनस्पीटाइल
डायी इन्द्राद संख्य डायी
संठीन उत्तर कावाची कर
हाह उत्तर यत याहते क्षमदी



मानदंडनां प्राचर्य हो. टी. एस. एस. पानारी, एन. एस.
ए. पटेल मृणले थी, 'म नवी जीवनावे निसर्गातीत इत सजीवही नहलवे जाहे, त्यावे जतन करनवासाठी आपण कठिन्य उत्तरे पाहिजे'. या सलग कांडळगाल संस्कृते संस्थापक डॉ प्रश्ना प्रा. सतीष देशाई अणि संस्था संचिव हो. विद्या देशाई याचे प्रोत्साहन लाभाने कांडळगाल डॉ नामान प्रा. एस. ए. नाहीते मंडळ यांनी यकू खेले यांदेबी लप्पाचार्य हो.

गगनबाबडा महाविद्यालयात
“वन्यजीव सप्ताह” उत्साहात
साजरा



মালিক আজ / মুক্তিযোদ্ধা পর্মেশ্বর

गणवाचाराता जानें शिखण्ठ प्रत्यक्ष मंडल गत्वा तर्ह कर्ते
संविलिपि पद्धती झं. ए. गी. जापान महाविद्यालय, गणवाचाराता यै
मुख्यतः हि, ५५ अक्टूबर २०२४ तोडी उन्नताविद्यालय अभियं
प्राचीविद्यालय विभागात्मक संस्कृत लिखाने “कर्तव्यव वाचावाच
सामादीप” वाचाकाला विविधाने विविधवाचार्य लालदीक्षाल
करण्यात् आवे, विविधप्रकारार्थ उद्घाटन प्रा. झं. ए. एम. वाटीन
संस्कृत इत्वा इत्वा खाले, खाले अर्थात् प्राचाराविद्यालय वन्नम्भविद्यालय
विभागानुसूत झं. संस्कृत भोजाने वारी विविधवाचार्यानि महिनी
देतावा “गणवाचाराता अभियं प्रविष्ट खाटातीन त्रिविक वन्नम्भविद्यालय
अभियं प्राचारावे भवेत्वा अभियं संस्कृत गत्वा तात्परी गत्वा
अहं” असे या गोड्डे, अचाराविद्याविद्यालय प्राचार्य झं. ए.
एम. वाटीन खालाने वै, “गणवाचारी विविधप्रकारानि विविधवाचार्य इतर
संस्कृतानि महिनावे आहे, त्यावे जातन वाचाकालाती आणण
कटिबद्ध असावे याहीले”, या खाटातु कार्यकारात संस्कृते
वाचावाचार अध्यक्ष प्रा. विविध देशाई अभियं संस्कृत संविध झं. लिखा
देशाई वारी प्रोफेसरहन लाभात्मे, कार्यक्रमार्थ आधार प्रा. एस. ए.
गोड्डे गोड्डे वारी वाचा वैले, वारीवै उपचारार्थ झं. एस. एम.
वाटीन, पन. एस. एस. प्रकल्पाविद्यालयी प्रा. ए. प. पर. कांकडे,
कनिष्ठ महाविद्यालयाचे दायारी एव. एस. वाचाव. प्रा. ए. ए. आर.
गावकर. प्रा. आर. भार. नर. प्रा. एस. एस. एस. देशाई. प्रा. एस. एस.
वाटीन. प्रा. ए. ए. वी. खाटातीन. प्रा. आर. आर. सर्वनीवेत. प्रा.
आर. आर. पर्वतीन अभियं महाविद्यालयातील लिखानेतर कर्मवारी.
वाचावाचार मेंढक तरीप विविधाती गोड्डा संस्कृते उत्तिष्ठत होते.

23

Principal

Padmashri Dr. G.G. Jariwala
Gaganbawada, Dist. Kolhapur